Drishti IAS

करेंट अफेयर्स झारखंड

सितम्बर (संग्रह)

2024

Drishti, 641, First Floor, Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry (English): 8010440440, Inquiry (Hindi): 8750187501
Email: help@groupdrishti.in

अनुक्रम

झारखंड **3**

मंईयां योजना के लिये झारखंड में कम आयु सीमा 3

IED विस्फोट में कोबरा बटालियन का जवान घायल 3

1.78 लाख PVTG नामांकित 4

झारखंड सरकार ने कृषि ऋण माफ किया 5

दृष्टि The Vision

नोट :

झारखंड

मंईयां योजना के लिये झारखंड में कम आयु सीमा

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में झारखंड कैबिनेट ने **मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना (MMSY)** के लिये आयु सीमा में कमी को मंज़ूरी दी।

मुख्य बिंदु

- मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना (MMSY) के लिये न्यूनतम आयु सीमा **21 वर्ष से** घटाकर **18 वर्ष** कर दी गई है, जिसका उद्देश्य अतिरिक्त 800,000 महिलाओं को लाभ पहुँचाना है।
- **MMSY:** यह योजना **3 अगस्त, 2024** को शुरू की गई है। इस योजना के तहत गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले परिवारों की पात्र महिलाओं को 1,000 रुपए दिये जाएंगे।
- **प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) योजना** के माध्यम से हर वर्ष सभी पात्र महिलाओं के बैंक खातों में कुल 12,000 रुपए भेजे जाएंगे।

प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजना

- **उद्देश्य:** इस योजना को लाभार्थियों तक सूचना एवं धन के तीव्र प्रवाह एवं वितरण प्रणाली में **धोखाधड़ी को कम** करने के लिये सहायता के रूप में परिकल्पित किया गया है।
- **कार्यान्वयन:** इसे भारत सरकार द्वारा **1 जनवरी, 2013** को सरकारी वितरण प्रणाली में सुधार करने हेतु एक मिशन के रूप में शुरू किया गया था।
  - **महालेखाकार कार्यालय** की **सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (PFMS)** के पुराने संस्करण यानी **'सेंट्रल प्लान स्कीम मॉनीटरिंग सिस्टम (CPSMS)'** को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के लिये एक प्लेटफॉर्म के रूप में चुना गया था।

सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना

- यह योजना राज्य में **बालिका शिक्षा, बाल विवाह** को समाप्त करने और **महिला सशक्तीकरण** पर ज़ोर देने के उद्देश्य से शुरू की गई थी।
- इस योजना के तहत राज्य सरकार किशोरियों को अच्छी शिक्षा के लिये कुल **40,000 रुपए** की सहायता दे रही है।

IED विस्फोट में कोबरा बटालियन का जवान घायल

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **झारखंड के चाईबासा (सिंहभूम ज़िला)** में चल रहे तलाशी अभियान के दौरान **IED विस्फोट में कोबरा (CoBRA) बटालियन** का एक जवान घायल हो गया ।

मुख्य बिंदु:

- **ऑपरेशन का विवरण:** यह ऑपरेशन **माओवादी नेता** को निशाना बनाकर किया जा रहा है, जिस पर राज्य सरकार ने 1 करोड़ रुपए का इनाम घोषित किया है।
  - माओवादी नेताओं को पकड़ने के लिये **चाईबासा पुलिस, 209 कोबरा बटालियन** और CRPF की टीमों द्वारा क्षेत्र में तलाशी अभियान जारी है।
  - **कोबरा:** कोबरा **भारत के केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल** की एक विशेष ऑपरेशन इकाई है जो गुरिल्ला रणनीति और जंगल युद्ध में कुशल है। जिसे मूल रूप से **नक्सली आंदोलन** का मुकाबला करने के लिये स्थापित किया गया था।

नोट :

- कोबरा को विषम युद्ध में संलग्न विद्रोही समूहों से निपटने के लिये तैनात किया गया है।
- **सिंहभूम ज़िला:** सिंहभूम ज़िले की स्थापना वर्ष 1990 में हुई थी जब मूल सिंहभूम ज़िले को **पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर ज़िला मुख्यालय के रूप में) और पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा ज़िला मुख्यालय के रूप में)** में विभाजित किया गया था।
  - वर्ष 2001 में पश्चिमी सिंहभूम को विभाजित कर सरायकेला-खरसावाँ ज़िला बनाया गया, जिससे पश्चिमी सिंहभूम में 15 प्रखंड और 3 उप-मंडल रह गए।
  - इस ज़िले की विशेषता **पहाड़ी इलाका, खड़ी पहाड़ियाँ और घने वन** हैं, जिनमें प्रसिद्ध साल वन और विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त सारंडा वन क्षेत्र शामिल हैं।
  - यह विविध वन्यजीवों का घर है, जिसमें **हाथी, बाइसन, बाघ, तेंदुआ** और विभिन्न हिरण प्रजातियाँ शामिल हैं, हालाँकि मानव आवास के निकट उनकी आबादी घट रही है।
  - ऐसा माना जाता है कि **"सिंहभूम"** नाम की उत्पत्ति या तो पोराहाट के सिंह राजाओं या स्थानीय जनजातीय आबादी के प्रमुख देवता **"सिंह बोंगा"** के बिगड़े हुए रूप से हुई है।

इंप्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस

- **इंप्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (IED)** एक घरेलू बम है जिसे लक्ष्यों को नष्ट करने या अक्षम करने के लिये डिज़ाइन किया गया है, जिसका उपयोग आमतौर पर अपराधियों, आतंकवादियों और विद्रोहियों द्वारा विभिन्न रूपों में किया जाता है।
- IED को कई तरीकों से पहुँचाया जा सकता है, जिसमें वाहनों द्वारा, व्यक्तियों द्वारा रखा जाना, या सड़क के किनारे छिपाया जाना शामिल होता है, तथा वर्ष 2003 में शुरू हुए इराक युद्ध के दौरान इसे प्रमुखता मिली।

1.78 लाख PVTG नामांकित

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **भारत के निर्वाचन आयोग** ने झारखंड में समावेशी, सहभागितापूर्ण चुनाव सुनिश्चित करने के लिये महत्त्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जिसमें **विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूहों (Particularly Vulnerable Tribal Groups- PVTG)** के नामांकन पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

मुख्य बिंदु:

PVTG का 100% नामांकन: आठ PVTG के 1.78 लाख मतदाताओं को मतदाता सूची में पूर्ण रूप से नामांकित किया गया है।

मतदाता सूची के आँकड़े: कुल **2.59 करोड़ मतदाता पंजीकृत हैं**, जिनमें 1.28 करोड़ महिला मतदाता और **11.05 लाख से अधिक पहली बार मतदाता (18-19 वर्ष)** शामिल हैं।

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (Special Summary Revision- SSR): राज्य के लिये दूसरा SSR पूरा हो गया और मतदाता सूची 27 अगस्त, 2024 को प्रकाशित की गई ।

निर्वाचन आयोग का निर्देश: धन-बल के प्रयोग के प्रति शून्य सहनशीलता पर ज़ोर, जैसा कि प्रवर्तन एजेंसियों, राजनीतिक दलों और सुरक्षा बलों के साथ बैठकों के दौरान बताया गया।

विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूह (PVTGs)

- भारत में जनजातीय आबादी **कुल जनसंख्**zनिधि की आवश्यकता होती है।
- **वर्ष 1973** में **ढेबर आयोग** ने **आदिम जनजातीय समूहों (Primitive Tribal Groups- PTG)** को एक अलग श्रेणी के रूप में वर्गीकृत किया, जो जनजातीय समूहों में कम विकसित हैं। वर्ष 2006 में भारत सरकार ने **PTG का नाम बदलकर PVTG** कर दिया।
- इस संदर्भ में, **वर्ष 1975 में** भारत सरकार ने सबसे कमज़ोर जनजातीय समूहों को PVTG नामक एक अलग श्रेणी के रूप में पहचानने की पहल की और **52 ऐसे समूहों** की घोषणा की, जबकि वर्ष 1993 में अतिरिक्त 23 समूहों को इस श्रेणी में जोड़ा गया, जिससे **कुल 705 अनुसूचित जनजातियों** में से PVTG की संख्या 75 हो गई।

नोट :

- PVTG की कुछ बुनियादी विशेषताएँ हैं, जैसे कि वे अधिकांशत: **समरूप होते हैं, उनकी जनसंख्या कम है, वे अपेक्षाकृत भौतिक रूप से पृथक हैं, लिखित भाषा का अभाव होता है, प्रौद्योगिकी अपेक्षाकृत सरल है तथा परिवर्तन की दर धीमी होती है आदि।**
- सूचीबद्ध 75 PVTG में **सबसे अधिक संख्या ओडिशा में पाई जाती है।**

झारखंड सरकार ने कृषि ऋण माफ किया

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **झारखंड सरकार** ने **400.66 करोड़ रुपए** के **कृषि ऋण माफ** करने की घोषणा की है ।

- **1,76,977 किसानों** को लाभान्वित करने वाला यह निर्णय **26 सितंबर, 2024** को **प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (Direct Benefit Transfer- DBT)** के माध्यम से लागू किया गया था।

मुख्य बिंदु

- **किसानों की चुनौतियों को संबोधित करना:**
  - **ऋण माफी** का उद्देश्य **प्रति किसान 2 लाख रुपए** तक के ऋण को माफ करके ऋण के बोझ को कम करना है।
  - यह माफी झारखंड के **किसानों द्वारा अनुभव की जा रही गंभीर कठिनाइयों** को ध्यान में रखते हुए की गई है, जहाँ 80% आबादी अपनी आजीविका के लिये कृषि पर निर्भर है।
- **आत्मनिर्भरता और वैकल्पिक कृषि को बढ़ावा देना:**
  - सरकार ने किसानों से बदलती जलवायु से निपटने के लिये पारंपरिक तरीकों के साथ-साथ **वैकल्पिक कृषि तकनीक** अपनाने का आग्रह किया।
  - झारखंड सरकार ने **राज्य के विकास** के लिये **आत्मनिर्भरता के महत्व** पर बल दिया, भले ही झारखंड **खनिज और वन संसाधनों से समृद्ध** है।

प्रत्यक्ष लाभ अंतरण योजना

- **उद्देश्य:** इसे लाभार्थियों तक सूचना और धन के सरल/तेज प्रवाह के लिये तथा वितरण प्रणाली में धोखाधड़ी को कम करने के लिये एक सहायता के रूप में देखा गया है।
- **कार्यान्वयन:** यह भारत सरकार द्वारा **1 जनवरी 2013** को शुरू किया गया एक मिशन या पहल है, जो सर्वजनिक वितरण प्रणाली में सुधार लाने के लिये है।
  - **महालेखा नियंत्रक कार्यालय** की **सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (Public Financial Management System- PFMS)** के पुराने संस्करण, **केन्द्रीय योजना स्कीम निगरानी प्रणाली (Central Plan Scheme Monitoring System- CPSMS) को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण** के लिये साझा प्लेटफार्म के रूप में कार्य करने के लिये चुना गया था ।
- **DBT के घटक:** DBT योजनाओं के कार्यान्वयन में प्राथमिक घटकों में **लाभार्थी खाता सत्यापन प्रणाली, भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI), भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (NPCI), सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और सहकारी बैंक** (बैंकों के कोर बैंकिंग समाधान, RBI की निपटान प्रणाली, NPCI का आधार भुगतान ब्रिज) आदि के साथ एकीकृत एक मज़बूत भुगतान और सुलह मंच शामिल है।

✦ ✦ ✦ ✦

नोट :